NEWS CLIPPING: 30.11.2020

HINDUSTAN

जेसी बोस की प्रतिमा का अनावरण आज होगा

श्रद्धांजलि

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्विद्यालय (वाईएमसीए) में 30 नवंबर को महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की 162वीं जयंती के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम का आयोजन होगा। इस कार्यक्रम में एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे शामिल होकर जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण करेंगे।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि जगदीश चंद्र बोस को देश के सबसे बड़े वैज्ञानिक के रूप में देखा स्वीकार किया जाता है। वह रेडियो और वायरलेस संचार के जनक थे और यह साबित करने वाले पहले वैज्ञानिक थे कि पौधों में भी जीवन होता है। आधुनिक विज्ञान के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों को मान्यता देते हुए राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2018 में वाईएमसीए विश्विद्यालय का नाम इस महान वैज्ञानिक के नाम पर रखा गया था। उनकी जयंती को धूमधाम से मनाने के लिए विश्विद्यालय ने विभन्नि कार्यक्रमों का आयोजन किया है जिसमें इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और आईओटी स्टार्ट-अप चैलेंज शामिल हैं। इस दौरान प्रो. सहस्त्रबुद्धे आईओटी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य-नोट वक्ता होंगे।

NEWS CLIPPING: 30.11.2020

THE PIONEER

एआईसीटीई के चेयरमैन करेंगे जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण

पायनियर समाचार सेवा | फरीदाबाद

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्रबुद्धे 30 नवंबर, 2020 को महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की 162वीं जयंती के उपलक्ष्य में जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण

करेंगे। जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा को विज्ञान के लिए उनके योगदान के शिलालेख के साथ कुलपति सचिवालय के सामने स्थापित किया जा रहा है।

इस संबंध में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि जगदीश चंद्र बोस को देश के सबसे बड़े अंत:विषय वैज्ञानिक के रूप में देखा स्वीकार किया जाता है। वह रेडियो और वायरलेस संचार के जनक थे और यह साबित करने वाले पहले वैज्ञानिक थे कि पौधों में भी जीवन होता है।

NEWS CLIPPING: 30.11.2020

PUNJAB KESARI

एआईसीटीई के चेयरमैन करेंगे जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण

P.K. 30.11.2020

फरीदाबाद, 29 नवम्बर (ब्यूरो): अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे 30 नवंबर, 2020 को महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की 162वीं जयंती के उपलक्ष्य में जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा को विज्ञान के लिए उनके योगदान के शिलालेख के साथ कुलपति सचिवालय के सामने स्थापित किया जा रहा है। इस संबंध में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि जगदीश चंद्र बोस को देश के सबसे बड़े अंत:विषय वैज्ञानिक के रूप में देखा स्वीकार किया जाता है। वह रेडियो और वायरलेस संचार के जनक थे

■ जगदीश चंद्र बोस की 162वीं जयंती के उपलक्ष्य में होगा कार्यक्रम

और यह साबित करने वाले पहले वैज्ञानिक थे कि पौधों में भी जीवन होता है। आधुनिक विज्ञान के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों को मान्यता देते हुए राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2018 में वाईएमसीए विश्वविद्यालय का नाम इस महान वैज्ञानिक के नाम पर रखा गया था। उनकी जयंती को धूमधाम से मनाने के लिए विश्वविद्यालय ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया है जिसमें इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और आईओटी स्टार्ट-अप चैलेंज शामिल हैं।

NEWS CLIPPING: 30.11.2020

DAINIK JAGRAN

प्रो.सहस्त्रबुद्धे करेंगे जगदीश बोस की प्रतिमा का अनावरण

फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे सोमवार को वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की 162वीं जयंती के उपलक्ष्य में उनकी प्रतिमा का अनावरण करेंगे। विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है, जिसमें इंटरनेट आफ थिंग्स (आइओटी) पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और आइओटी स्टार्ट-अप चैलेंज प्रमुख रूप से शामिल हैं। प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे विश्वविद्यालय परिसर में कौशल विकास सामुदायिक महाविद्यालय के नवनिर्मित बहुमंजिला भवन का उद्घाटन भी करेंगे। लगभग 3.75 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित सीसीएसडी बहुमंजिला इमारत का निर्माण 1600 वर्ग फुट के क्षेत्र में किया गया है। (जासं)

NEWS CLIPPING: 30.11.2020

NAVBHARAT TIMES

जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा का होगा अनावरण

NBT. 30-11.2020

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे सोमवार को महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की 162वीं जयंती के उपलक्ष्य में जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। उनकी प्रतिमा को विज्ञान के लिए उनके योगदान के शिलालेख के साथ कुलपति सचिवालय के सामने स्थापित किया जा रहा है। इस संबंध में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि जगदीश चंद्र बोस को देश के सबसे बड़े अंतःविषय वैज्ञानिक के रूप में स्वीकार किया जाता है। वह रेडियो और वायरलेस संचार के जनक थे और यह साबित करने वाले पहले वैज्ञानिक थे कि पौधों में भी जीवन होता है। आधुनिक विज्ञान के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों को मान्यता देते हुए राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2018 में वाईएमसीए विश्वविद्यालय का नाम इस महान वैज्ञानिक के नाम पर रखा गया था। उनकी जयंती को बेहतर ढंग से मनाने के लिए विश्वविद्यालय ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।